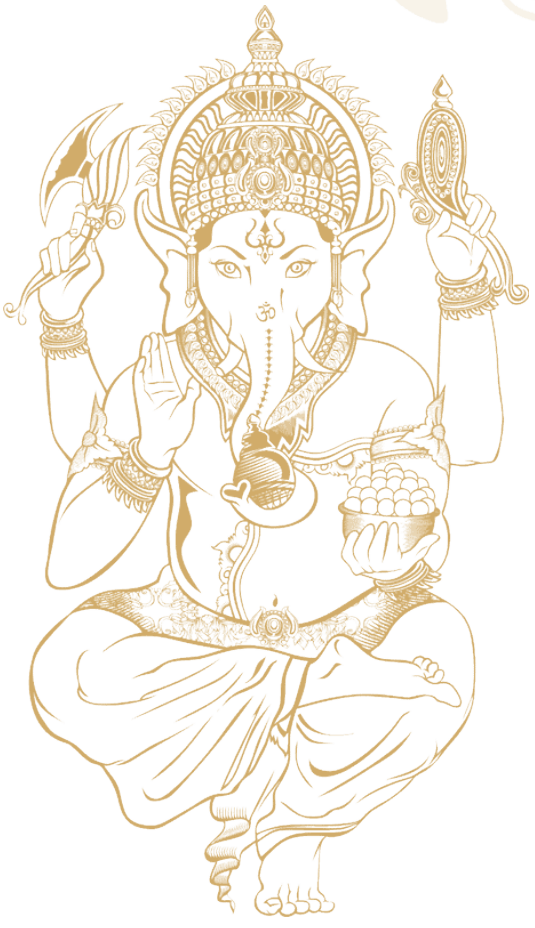

Mr. Rajat

Ms. Yogita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120653102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/2001	जन्म तिथि	25/07/2000
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:57:00	जन्म समय	11:15:00 घंटे
घटी 00:43:20	जन्म समय(घटी)	13:19:15 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Bikaner
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:39	सूर्योदय	05:55:17
19:32:22	सूर्यास्त	19:30:21
23:52:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:39

विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 10मा 11दि

राहु	
21/04/2018	
21/04/2036	
राहु	02/01/2021
गुरु	28/05/2023
शनि	03/04/2026
बुध	20/10/2028
केतु	08/11/2029
शुक्र	08/11/2032
सूर्य	02/10/2033
चन्द्र	03/04/2035
मंगल	21/04/2036

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
28:32:45	वृष	लग्न	कन्या	17:30:59
25:20:03	वृष	सूर्य	कर्क	08:43:38
10:10:52	मक	चंद्र	मेष	18:32:51
00:04:20	धनु व	मंगल	कर्क	01:42:47
04:54:26	मिथु व	बुध	मिथु	19:18:15
28:36:06	वृष	गुरु	वृष	10:56:44
09:33:45	मेष	शुक्र	कर्क	20:46:35
12:29:05	वृष	शनि	वृष	05:03:02
12:30:10	मिथु	राहु	कर्क	00:43:16
12:30:10	धनु	केतु	मक	00:43:16
00:54:49	कुंभ व	हर्ष व	मक	25:38:59
14:40:11	मक व	नेप व	मक	11:23:29
19:54:03	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:28:43

विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 2मा 4दि

चन्द्र	
29/09/2018	
28/09/2028	
चन्द्र	30/07/2019
मंगल	28/02/2020
राहु	29/08/2021
गुरु	29/12/2022
शनि	29/07/2024
बुध	29/12/2025
केतु	30/07/2026
शुक्र	30/03/2028
सूर्य	28/09/2028

लग्न-चलित

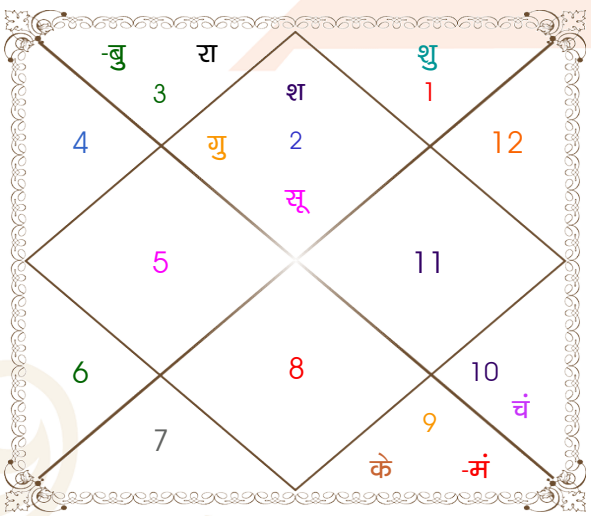

लग्न-चलित

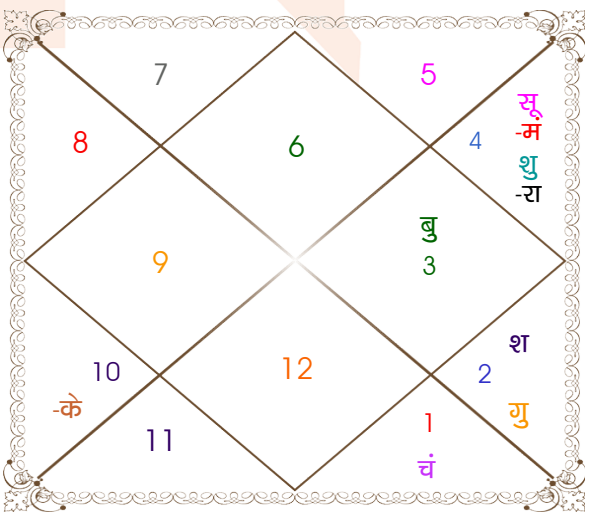

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण त्रंज का वर्ग मार्जार है तथा डेण ल्वहपजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण त्रंज और डेण ल्वहपजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण त्रंज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण ल्वहपजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण ल्वहपजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण त्रंज तथा डेण ल्वहपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।